शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
हिंदी (ऐच्छिक)
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र – **3** अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य

उद्देश्य –

- कथा साहित्य का स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों का अध्ययन कराना।
- समीक्षा मानदंडों के आधार पर कथा साहित्य का अध्ययन कराना।
- कथेतर साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन कराना।
- कथा और कथेतर साहित्य का वर्तमान प्रासंगिकता के साथ अध्ययन कराना।

अध्यापन पद्धति –

- व्याख्यान विश्लेषण।
- संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।
- चर्चा एवं संगोष्ठी।
- आई. सी. टी. का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक – गद्य संचयन – संपादक, हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविदयालय, कोल्हापुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

पाठ्य विषय–

- नारी विमर्श।
- दलित एवं अस्मिता मूलक विमर्श।
- विभाजन की त्रासदी ।

- **महान चरित्रों का परिचय।**
- **हिंदी विविध विधाओं का परिचय।**

इकाई–I कथा साहित्य –

1. जीती बाजी की हार – मन्नू भंडारी
2. गृह– प्रवेश – मिथिलेश्वर
3. घर की तलाश – राजेंद्र यादव

इकाई–II कथा साहित्य –

4. जॉर्ज पंचम की नाक – कमलेश्वर
5. पहाड – निर्मल वर्मा
6. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती

इकाई–III कथेतर साहित्य –

7. अकेलापन और पार्थक्य (डायरी अंश) – गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
8. घर लौटते हुए (आत्मकथा अंश) – हरिवंशराय बच्चन
9. धरती और धान (जीवनी अंश) – पाण्डेय बैचन शर्मा 'उग्र'

इकाई–IV कथेतर साहित्य –

10. अखबारी विज्ञापन(रेडियो नाटक) – चिरंजीत
11. वकील साहब (रेखाचित्र) – विनय मोहन शर्मा
12. महात्मा गांधी (संस्मरण) – रामकुमार वर्मा

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	कथा साहित्य पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10

प्रश्न 3	पूरे पाठ्यक्रम लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 3) (कथा साहित्य 2 और कथेतर साहित्य पर 3 प्रश्न)	15
प्रश्न 4	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (कथा साहित्य 1 और कथेतर साहित्य पर 1 प्रश्न)	15

संदर्भ – ग्रंथ सूची

1. कथा साहित्य के प्रतिमान – डॉ. रोहिताश्व, अमन प्रकाशन, कानपुर।
2. निर्मल वर्मा का कथा साहित्य – डॉ. रघुनाथ शिरगावकर, अमन प्रकाशन,कानपुर।
3. कहानीकार कमलेश्वर : संदर्भ और प्रकृति – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, विकास प्रकाशन, कानपुर।
4. साठोत्तरी कहानी में परिवार – डॉ. इंन्दु विरेन्द्रा, विकास प्रकाशन, कानपुर।
5. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धातिक पक्ष – डॉ. धवन मधु, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मन्नू भंडारी के साहित्य में चित्रित समस्याएँ – डॉ.सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
7. कहानी स्वरूप और संवेदना– राजेंद्र यादव, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
8. राजेंद्र यादव के कहानियों में चित्रित समस्याएँ– डॉ. अर्जुन चव्हाण, पूजा पब्लिकेशन, कानपुर ।
9. मिथिलेश्वर का कहानी जगत– डॉ. संजय चिंदगे, स्वच्छंद प्रकाशन, कोल्हापुर ।
10. मिथिलेश्वर की कहानियों में ग्रामीण यथार्थ –डॉ. वर्षा मिश्र, क्वालीटी बुक्स, कानपुर।
11. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – डॉ. हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. डॉ. हरिवंशराय बच्चन का आत्मकथात्मक साहित्य – डॉ. श्रीनिवास, विनय प्रकाशन, कानपुर।

13. गद्य की विविध विधाएँ– डॉ. बापूराव देसाई, विनय प्रकाशन, कानपुर।

14. राजेंद्र यादव का उखडे हुए लोग संवेदना एवं शिल्प – डॉ. मोहन सावंत, ए. बी.एस. पब्लिकेशन, वाराणसी।

15. हिंदी कहानी का समकालीन परिदृश्य – डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ, विनय प्रकाशन, कानपुर।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
हिंदी (ऐच्छिक)
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र – **4** हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्यधारा

उद्देश्य –

- छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
- छात्रों को मध्यकालीन हिंदी कवियों से परिचित कराना।
- छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
- छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विमर्शों से परिचित कराना ।

अध्यापन पद्धति –

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
4. दृक–श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।

पाठ्यपुस्तक – काव्यामृत, संपादक– हिंदी अध्ययन मंडल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य विषय –

1. पठित दोहे एवं पदों की सटीक व्याख्या करना ।

2. मध्यकालीन संत कवियों का कार्य उजागर करना।
3. आधुनिक कविता के सामाजिक संदर्भ स्पष्ट करना।
4. आधुनिक कविता का समीक्षात्मक विश्लेषण करना ।

इकाई– मध्यकालीन काव्य–

1. कबीर के दोहे – 10
2. सूरदास के पद – 03
3. मीरा के पद – 03

इकाई–II मध्यकालीन काव्य–

4. घनानंद के पद – 03
5. रहीम के दोहे – 10
6. भूषण के पद – 03

इकाई–III आधुनिक हिंदी कविता –

7. तुकडोजी के पद – 02
8. यह तो शर्म की बात है – सुशीला टाकभौरे
9. तीली – उदय प्रकाश

इकाई–IV आधुनिक हिंदी कविता–

10. प्यार – सुधाकर मिश्र
11. गज़ल – हस्तिमल हस्ति
12. लता की शायरी – प्रकाश भोसले

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	आधुनिक हिंदी कविता पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	पूरे पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 3) (मध्यकालीन काव्य पर 03, आधुनिक हिंदी कविता पर 02)	15
प्रश्न 4	समग्र पाठ्यक्रम दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (मध्यकालीन काव्य पर 1 और आधुनिक हिंदी कविता पर 1 प्रश्न)	15

संदर्भ सूची

1. राष्ट्रसंत तुकडोजी के राष्ट्रीय विचार –डॉ. सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
2. प्यार का पहला खत (प्रतिनिधि गजले) – हस्तीमल 'हस्ती', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. मनीप्लांट और फूल– डॉ. सुधाकर मिश्र, नारायण प्रकाशन, वाराणसी।
4. लता की शायरी– प्रकाश रावसाहेब भोसले, अन्नपुर्णा प्रकाशन, कानपुर।
5. 'अनभै' – सं. रतनकुमार पाण्डेय, 31 जुलाई – सितम्बर 2011, (विशेष अंक सुधाकर मिश्र)
6. 'अनभै' – सं. रतनकुमार पाण्डेय जनवरी – जून 2017(विशेष अंक हस्तीमल 'हस्ती').
7. इक्कीसवीं सदी का हिंदी काव्य – डॉ. सौ. माधवी जाधव, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

8. युगदृष्टा राष्ट्रसंत तुकडोजी का राष्ट्रीय जीवन निर्माण में योगदान – डॉ. दिनकर येवलेकर, विनय प्रकाशन, कानपुर।

9. विवके सरिता – राष्ट्रसंत श्री. तुकडोजी महाराज, श्री. गुरूदेव प्रकाशन, अमरावती।

10. हिंदी के प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।

11. सुधाकर मिश्र की काव्य संवेदना – डॉ अवनीश सिंह, विनय प्रकाशन,कानपुर।

12. कुसुम अंसल के काव्य साहित्य मे चित्रित नारी – जीवन के विमर्श–डॉ. आर. पी. भोसले, पूजा प्रकाशन, कानपुर।

13. राष्ट्रीय भजनावली – राष्ट्रसंत श्री. तुकडोजी महाराज, श्री. गुरूदेव प्रकाशन, अमरावती।

,

( )

( ),

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

– IV, - V

(- 2019-20, 2020-21 2021-22)

(CBCS)

:-

- ,
-
-
-
-
-

:-

- ,
-
- . . .
-

-

-

-
-
-
-

-1.

अ) :

(1)

) (2
)

-2. :

)

) (3
)

-3. :

1.
2.
3.
4.
5.
6.

- 4.

1.

2.

(, , ,

-

)

: -

1. , .

, ,

2. , . . ,

,

3. ,

, , ,

4. , .

, . . . ,

5. , ,

,

6. , ‘ ’-

. , ,

,

7. , ,

, ,

8.

, , -

, ,

9. , ,

,

10. ,

,

* * * * * * *

1.) :

(5)

(1)

आ)

(5)

(2)

2.)

(5)

)

(5)

(3)

3. -3 -(5 3)
(15)

4. -4 -(3 2)
(15)

(परिशिष्ट -1)

1-100 तक मानक रूप में हिंदी गिनती

भारत की राजभाषा हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी हुई होनी चाहिए, लेकिन गिनती अरेबिक अंक (1, 2, 3 u) में होनी चाहिए, देवनागरी (1 , 2, 3 u) में नहीं ।

(परिशिष्ट - 2)

)

- , , - ,
  , - ,

----

1. Auditorium -
2. Ability -
3. Art gallery -
4. Classic drama -
5. Colour photography-
6. Actor -
7. Children's song -
8. Comical song -
9. Casting director -
10. Puppet -
11. Hero -
12. Clown/ Zony - /
13. Advantage - ,
14. Blue chip company -
15. Broker - ,
16. Bear -
17. Artificial dearness -
18. Black marketing -
19. Bonus -
20. Custom -
21. Currency -
22. Absolute amount -
23. Advance -
24. Apex Bank- /
25. Bank cash-

****

- 3

: -

1. -
2. -
3. -
4. -
5. -
6. - -
7. -
8. -
9. - -
10. -
11. -
12. -
13. u
14. -
15. -
16. -
17. -
18. -
19. -
20. - –
21. , -

22. -

23. -

24. -

25. - -

****

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (कला विद्या शाखा)
Discipline Specific Elective course
हिंदी (ऐच्छिक)
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठयक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र – 6 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी पद्य साहित्य

पाठ्यपुस्तक –

- कितने प्रश्न करूँ (खण्डकाव्य) – ममता कालिया

उद्देश्य –

1. छात्रों को हिंदी कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमता को विकसित कराना।
3. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना।

अध्यापन पद्धति –

- व्याख्यान तथा विश्लेषण।
- सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
- ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित कवि की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
- दृक–श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।

पाठ्य पुस्तक – कितने प्रश्न करूँ (खण्डकाव्य) – ममता कालिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य विषय –

1. **पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं को समझाना ।**
2. **आधुनिक बोध से अवगत कराना ।**
3. **खंडकाव्य का समीक्षात्मक विवेचन।**
4. **समानता की दृष्टि वृध्दिगत करना ।**

इकाई–I ममता कालिया का व्यक्तित्व एवं कृतित्व :–

1. ममता कालिया का जीवन परिचय।
2. ममता कालिया का व्यक्तित्व का परिचय।
3. ममता कालिया का कृतित्व।

इकाई–II

1. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का कथानक।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में चित्रित पात्र एवं चरित्र चित्रण।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य के संवाद।

इकाई–III

1. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का देशकाल तथा वातावरण।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की भाषा–शैली।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य का उद्देश्य।

इकाई–IV

1. ' कितने प्रश्न करूँ' 'खण्डकाव्य में चित्रित समसामायिकता।
2. ' कितने प्रश्न करूँ' खंण्डकाव्य की शीर्षक की सार्थकता।
3. ' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य में चित्रित समस्याएँ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2	' कितने प्रश्न करूँ' खडकाव्य पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर लघुत्तरी प्रश्न(5 में से 3)	15
प्रश्न 4	' कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ सूची

1. कविता के नए प्रतिमान – डॉ. नामवर सिंह
2. कविता का प्रतिसंसार – निर्मला जैन
3. आधुनिक खण्डकाव्यों में युग चेतना – डॉ. एन. डी. पाटील, विनय प्रकाशन, कानपुर।
4. ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. फैमिदा बीजापुरे, विनय प्रकाशन, कानपुर।

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (आंतर विद्या शाखा)**I.D.S.**
तृतीय सत्र
प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रश्नपत्र 1
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)
(प्रस्तुत पाठयक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य –

- हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
- वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित कराना।
- हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित कराना।
- रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
- राष्ट्रभाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित करना।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई–I कार्यालयीन पत्राचार–

1. नौकरी के लिए आवेदन पत्र।
2. पदाधिकारियों के नाम पत्र।
3. छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।
4. परिपत्र।

इकाई–II अनुवाद : सैद्धांतिक पक्ष –

1. अनुवाद की परिभाषा।
2. अनुवाद का स्वरूप।
3. अनुवाद की उपयोगिता।
4. अनुवादक के गुण।

इकाई–III समाचार का अनुवाद –

1. समाचार का अनुवाद।

2. अंग्रेजी एवं हिंदी अनुच्छेदों में से किसी एक का अनुवाद।

3. अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद(दो में से एक)

4. हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद (दो में से एक)

इकाई–IVमुद्रित संचार माध्यमों का सामान्य परिचय –

1. दै. समाचार पत्र 2.पत्र–पत्रिकाएँ

3.विज्ञापन 4.उद्घोषणा का सामान्य परिचय।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई **I** पर पत्रलेखन प्रश्न(3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई **IV** पर लघुत्तरी प्रश्न(3 में से 2)	15
प्रश्न 4	(अ) इकाई **II** पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	10
	(आ) इकाई **III** पर अनुवाद लेखन। (हिंदी और अंग्रेजी अनुच्छेदों में से किसी एक का अनुवाद।)	05

❖ **संदर्भ ग्रंथ सूची –**

- हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।
- पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर।
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. बापूराव देसाई, विनय प्रकाशन, कानपुर।
- रोजगारोन्मुख हिंदी – डॉ. गणेश ठाकुर, विजय प्रकाशन, कानपुर।

.....

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
हिंदी अध्ययन मंडल
द्वितीय वर्ष (आंतर विद्या शाखा)**I.D.S.**
चतुर्थ सत्र
प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रश्नपत्र 2
(शैक्षिक वर्ष 2019–20, 2020–21, 2021–22)

(प्रस्तुत पाठयक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (**CBCS**) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य –

- हिंदी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।
- वाणिज्यिक व्यवहार में हिंदी भाषा को प्रज्वलित करना।
- हिंदी में कार्य करने की रूचि विकसित करना।
- रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।
- राष्ट्रभाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
- कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल विकास विकसित करना।

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई–Iसंगणक का परिचय।

1. संगणक का सामान्य परिचय।
2. संगणक के उपयोग।
3. इंटरनेट सेवा । (प्रयोग विधि)
4. ई–मेल सेवा(प्रेषण एवं प्राप्ति)

इकाई–IIवृत्तांत लेखन।

1. महाविद्यालयीन समारोह का वृत्तांत लेखन।
2. सामाजिक समारोह का वृत्तांत लेखन।
3. प्राकृतिक आपदाओं का वृत्तांत लेखन।
4. दुर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन।

इकाई–III वाणिज्य पत्राचार।

1. पूछताछ के पत्र।
2. क्रयादेश के पत्र।
3. संदर्भ के पत्र।
4. शिकायती पत्र।

इकाई–IVइलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम का सामान्य परिचय।

1. रेडिओ 2.दूरदर्शन 3. टेलीकॉफ्रेंस 4.डाक्यूमेंट्री का सामान्य परिचय। (तकनीकी जानकारी अपेक्षित नहीं है।)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

		अंक
प्रश्न 1	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न।	10
प्रश्न 2	इकाई **I** विभाग पर प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न 3	इकाई **II** विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	15
प्रश्न 4	(अ) इकाई **III** पर पत्रलेखन (3 में से 2)	08
	(आ) इकाई **IV** पर प्रश्न (3 में से 2)	07

❖ **संदर्भ ग्रंथ सूची –**

- हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकाशन, कोल्हापुर।
- पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर।
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आधुनिक जनसंचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य – डॉ रमेशचंद्र त्रिपाठी, विनय प्रकाशन, कानपुर।

.....

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

D.S.E.C.

बी.ए.भाग–2 (हिंदी)

C.B.C.S.

जून 2019 पासून सुरू होणा-या सुधारित अभ्यासक्रम समकक्षता

अ.क्र.	जुना अभ्यासक्रम	नवीन अभ्यासक्रम
1	तीसरे सत्र अभ्यासप्रत्रिका क्रामांक 3 आधुनिक गद्य साहित्य	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य
2	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 4 मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	तीसरे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 4 हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्य
3	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 5 आधुनिक गद्य साहित्य	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 5 हिंदी में रोजगार के अवसर
4	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्रमांक 6 आधुनिक काव्य	चौथे सत्र अभ्यासपत्रिका क्र. 6 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी पद्य साहित्य
5	प्रश्नपत्र –1,2 I.D.S. प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रश्नपत्र –1,2 I.D.S. प्रयोजनमूलक हिंदी